दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, सैक्टर 19ए, चंडीगढ़

प्रैस विज्ञप्ति दिनांक 30 अक्तूबर 2010

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की 66वीं सालाना सामान्य बैठक

दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (पंजाब एवं चंडीगढ़ केन्द्र) ने 30 अक्तूबर 2010 को चंडीगढ़ में संस्थान के भवन में 66वीं एजीएम का आयोजन किया। इस अवसर पर इं.ए.बी.अग्रवाल, अध्यक्ष, भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड मुख्य अतिथि थे। इं.जी.एस.वासन, निदेशक/सुरक्षा एवं एच.आर.डी., बीबीएमबी, चंडीगढ़ ने समारोह का संचालन किया और बैठक में उपस्थित 250 प्रतिभागियों को प्रतिष्ठित वक्तागण डॉ.पी.एस.ढिल्लों, एफ.आई.ई., सीई (रिटायर्ड) तथा मुख्य अतिथि की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

इं.आर.पी.गर्ग, एफ.आई.ई.,अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स ने मुख्य अतिथि तथा अन्य प्रतिष्ठित प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने वर्ष 2009-10 के दौरान इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की उपलब्धियों का वर्णन किया और बताया कि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स ने सोलर वाटर हीटर, ऊर्जा बचत उपायों/यंत्रों की स्थापना, व्याख्यान कक्ष/सभागार आदि का नवीनीकरण कराया है और इसके अतिरिक्त

राष्ट्रीय भवन संहिता, सॉलिड वेस्ट मैनेजमैन्ट आदि पर व्याख्यानों का आयोजन भी किया है। मुख्य अतिथि द्वारा पंजाब के विभिन्न विश्वविद्यालयों के श्रेष्ठ सिविल/मकैनिकल/इलैक्ट्रीकल इंजीनियरी छात्रों को 12वें कला देवी पुरस्कार भी प्रदान किए गए जिसके अंतर्गत गोल्ड प्लेटड सिल्वर एवार्ड तथा 15000/- रुपए का नकद पुरस्कार शामिल है। यह पुरस्कार इं.जगमान सिंह, एफ.आई.ई. की पत्नी श्रीमती कला देवी की स्मृति में उनके परिवार द्वारा प्रायोजित हैं।

मुख्य अतिथि इं.ए.बी.अग्रवाल ने उत्तरी भारत के सामान्य उत्थान हेतु बीबीएमबी में इंजीनियरिंग ज्ञान का प्रयोग करने में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के योगदान पर प्रकाश डाला। बीबीएमबी नें नवीनीकरण, आधुनिकीकरण एवं उन्नयन की नवीन प्रौद्योगिकी द्वारा उत्तरी ग्रीन पीकिंग ऊर्जा का योगदान किया और वर्ष 2008-2009 के लिए विद्युत उत्पादन तथा संयंत्र उपलब्धता में अपने विद्युत संयंत्रों के योगदान के लिए स्वर्ण तथा कांस्य शील्डें और मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में अन्य राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए।

इं.एम.एन.शर्मा, एफ.आई.ई., मानद सचिव, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन किया गया । इस अवसर पर भोजनोपरांत एक व्यापार सत्र (कारपोरेट सदस्यों के लिए) का आयोजन भी किया गया।

(एम.एन.शर्मा)
एफ.आई.ई., मानद सचिव,
इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स